पाक्षिक

खबर आस पास

भारत सरकार से मान्यता प्राप्त समाचार पत्र

संपादक :सत्येन्द्र राजवंशी मो. 9587570001 Email : khabaraaspass@gmail.com

वर्ष : 1 | अंक : डिजिटल | बीकानेर : गुरूवार 09 जुलाई 2026 | पृष्ठ : 4 | मूल्य : 1.00 रुपया

'जिस व्यक्ति ने कभी गलती नहीं की, उसने कभी कुछ नया करने की कोशिश नहीं की।'

केन्द्रीय गृहमंत्री की मौजूदगी में राजस्थान, महाराष्ट्र, गुजरात और मध्य प्रदेश के बीच नर्मदा अवार्ड के लंबित भुगतान के निपटारे पर ऐतिहासिक समझौता

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने नई दिल्ली में महाराष्ट्र, गुजरात और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्रियों के साथ किए समझौते पर हस्ताक्षर

जयपुर, (खबर आस पास)। भारत सरकार के मार्गदर्शन एवं पड़ोसी राज्यों के साथ आपसी समन्वय एवं सहयोग से राजस्थान द्वारा हाल ही में पार्वती-कालीसिंध एवं चम्बल नदियों के जल के बेहतर उपयोग के लिए एमपीकेसी परियोजना तथा हथिणीकुंड बैराज से राजस्थान के शेखावाटी अंचल में जल उपयोग को लेकर हाल ही में ऐतिहासिक समझौते हुए हैं, जिससे कि राज्य के अभावग्रस्त क्षेत्रों में जल उपयोग के साथ ही सामाजिक एवं आर्थिक उन्नति का रास्ता खुला है।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में राजस्थान, महाराष्ट्र, गुजरात और मध्य प्रदेश के बीच नर्मदा अवार्ड के लंबित भुगतान के निपटारे पर ऐतिहासिक समझौता हुआ । राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने नई दिल्ली में मंगलवार को महाराष्ट्र, गुजरात और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्रियों के साथ इस समझौते पर हस्ताक्षर किए। यह समझौता सरदार सरोवर परियोजना की निर्माण लागत में राज्यों की हिस्सेदारी से जुड़े लंबे समय से लंबित विवादों के अंतिम निपटारे (वन-टाइम सेटलमेंट) का मार्ग प्रशस्त करता है। मध्यप्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र एवं राजस्थान द्वारा सहभागिता एवं सहकारी संवाद की भावना से वर्षों से लंबित नर्मदा नदी के लंबित मुद्दों का समाधान संभव हो पाया है। इस समझौते से नर्मदा नदी के जल का बेहतर उपयोग होगा। नर्मदा जल विवाद प्राधिकरण द्वारा वर्ष 1979 में अवार्ड के माध्यम से राजस्थान, मध्यप्रदेश, गुजरात एवं महाराष्ट्र के मध्य जल आवंटन किया गया था। इस अवार्ड के अंतर्गत क्लॉज IV/5 के प्रावधान के अनुसार कोई भी राज्य मानसून काल के दौरान उपलब्ध अधिशेष जल का उपयोग अपने राज्य में कर सकता है। यह अधिशेष जल उस राज्य के खाते में नहीं जोड़ा जाएगा। मानसून काल के दौरान प्राप्त होने वाले अधिशेष जल के भण्डारण हेतु वर्ष 2026-27 की बजट घोषणा के क्रम में डीपीआर तैयार करवाई जा रही है। इससे पश्चिमी राजस्थान के वंचित क्षेत्रों को पेयजल उपलब्ध हो सकेगा।

ब्रह्मोस मिसाइल खरीदेगा इंडोनेशिया, ईवीएम बनाने में भी भारत करेगा मदद

नई दिल्ली, एजेंसी।

भारत-इंडोनेशिया के बीच ब्रह्मोस डील पर मुहर लग गई है। भारत इंडोनेशिया को ब्रह्मोस मिसाइल की अतिरिक्त यूनिट देगा। फिलीपींस के बाद इंडोनेशिया इसे खरीदने वाला दूसरा देश बन गया है। पीएम मोदी ने मंगलवार को जकार्ता में राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो से मुलाकात की। दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय बैठक में कई अहम समझौते हुए। इंडोनेशिया ने ऑपरेशन सिंदूर में इस्तेमाल भारतीय अस्त्र एयर-टू-एयर मिसाइल खरीदने का भी फैसला किया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारत इंडोनेशिया के लिए इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) विकसित करने में मदद करेगा। इंडोनेशिया दौरे का दूसरे दिन मंगलवार सुबह पीएम मोदी को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने उन्हें गले भी लगाया। पीएम मोदी दिन में इंडोनेशिया के मंदिर प्रम्बानन भी जाएंगे। 9वीं शताब्दी में बना यह मंदिर यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल है। रिपोर्ट के मुताबिक ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय अस्त्र एयर-टू-एयर मिसाइल के प्रदर्शन के बाद इंडोनेशिया ने इसे खरीदने का फैसला किया है। इसके अलावा भारत इंडोनेशिया को ब्रह्मोस मिसाइल की यूनिट भी उपलब्ध कराएगा। क्रिटिकल मिनरल्स की सप्लाई चेन मजबूत करने के लिए भारत इंडोनेशिया में स्टील, निकेल और रेयर अर्थ मैग्नेट के निर्माण में निवेश करेगा। भारत और इंडोनेशिया मिलकर सबांग बंदरगाह का विकास करेंगे। यह बंदरगाह मलक्का जलडमरूमध्य पर स्थित है और भारत के ग्रेट निकोबार पोर्ट प्रोजेक्ट से करीब 100 मील की दूरी पर है।

ऑपरेशन सिंदूर में इस्तेमाल भारतीय अस्त्र एयर-टू-एयर मिसाइल

हटते नहीं हटा दिए जाते चंपत राय और अनिल मिश्रा

अयोध्या,एजेंसी।

अयोध्या । राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में चंपत राय और अनिल मिश्रा के इस्तीफों के पीछे की असल वजह सामने आ गई है। जानकारी के अनुसार, इन इस्तीफों का मुख्य कारण राम मंदिर ट्रस्ट के कड़े नियम थे, जिसमें यह प्रावधान है कि यदि कोई पदाधिकारी या ट्रस्टी गड़बड़ी या अनियमितता का दोषी पाया जाता है, तब पद से हटाया जा सकता है।

सूत्रों ने खुलासा किया है कि पद से हटने की संभावना को देखकर राय और मिश्रा ने संभावित कार्रवाई से ठीक पहले अपने इस्तीफे दे दिए। ट्रस्ट के नियमों के मुताबिक, किसी भी पदाधिकारी या ट्रस्टी को हटाने के लिए दो-तिहाई बहुमत की जरुत होती है। यद्यपि ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद गिरी ने सार्वजनिक रूप से इन इस्तीफों को नैतिक आधार पर दिया गया बताया, लेकिन अंदरूनी सूत्रों के अनुसार, ट्रस्ट उन्हें हटाने की पूरी तैयारी में था।

इस बीच, राम मंदिर की प्रशासनिक और बैंकिंग व्यवस्था में महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं।

अयोध्या में कार्यकारी महासचिव कृष्ण मोहन के साथ दो नए सहयोगी, जगदीश और चंदन राय, नियुक्त किए गए हैं। अब राम मंदिर के बैंक खातों का संचालन कृष्ण मोहन, जगदीश और चंदन राय संयुक्त रूप से करने वाले है। बैंक से जुड़े किसी भी वित्तीय लेनदेन के लिए इन तीनों के हस्ताक्षर अनिवार्य किए गए है। पहले बैंकिंग व्यवस्था की जिम्मेदारी अनिल मिश्रा के पास थी और उनके ही हस्ताक्षर मान्य होते थे, जबकि गोविंद गिरी के केवल डिजिटल हस्ताक्षरों का उपयोग होता था।सुरक्षा व्यवस्था को भी अभूतपूर्व रूप से मजबूत कर दिया गया है। अब दान गणना स्थल पर कुल 43 लोग मौजूद रहने वाले हैं, और निगरानी के लिए 13 अतिरिक्त सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, विशेषकर उन स्थानों पर जहाँ पहले कैमरे नहीं थे। दान पेटी से गणना स्थल तक धनराशि सुरक्षित रूप से लाने के लिए 27 सुरक्षा कर्मियों की ड्यूटी लगी है। इसके अतिरिक्त, दान पेटी और गणना स्थल के बीच विभिन्न पिलरों के पास पुलिस बल की अलग से तैनाती की जाएगी। पिलर नंबर 34 के पास, जहाँ एक गुप्त दान पेटी रखी गई है, वहाँ विशेष सुरक्षा व्यवस्था के तहत तीन अतिरिक्त पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं।

भारत ने जिनेवा में रखा 'सुरक्षित और जवाबदेह एआई' का रोडमैप

(रिपोर्ट. शाश्वत तिवारी)

जिनेवा। स्विट्जरलैंड के जिनेवा में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) गवर्नेंस पर आयोजित संयुक्त राष्ट्र के दो दिवसीय ग्लोबल डायलॉग में विदेश राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह नेभारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया। इस उच्च स्तरीय वैश्विक बैठक को संबोधित करते हुए सिंह ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का उत्तरदायी, सुरक्षित और जन-केंद्रित दृष्टिकोण मजबूती से प्रस्तुत किया।अपने संबोधन में विदेश राज्य मंत्री ने स्पष्ट किया कि एआई का विकास और वैश्विक प्रशासन मजबूत बुनियादी सिद्धांतों पर आधारित होना चाहिए। उन्होंने कहा भारत का दृढ़ विश्वास है कि जिम्मेदार एआई गवर्नेंस के लिए मानवीय निगरानी बनाए रखना, मानवाधिकारों का सम्मान करना और इसके दुरुपयोग को रोकना अनिवार्य है। विदेश राज्य मंत्री ने जोर दिया कि ये सिद्धांत यह सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक हैं कि एआई प्रणालियां सीमाओं के पार नैतिक, सुरक्षित और सभी के लिए फायदेमंद तरीके से काम करें।अपने संबोधन की जानकारी सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर साझा करते हुए सिंह ने लिखा इस बात पर जोर दिया कि एआई गवर्नेंस इंसानों पर केंद्रित, समावेशी और भरोसे पर आधारित होनी चाहिए, जिसमें इंसानों की सार्थक निगरानी और मानवाधिकारों का सम्मान हो। हमें क्षमता की कमियों को भी दूर करना होगा, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि 'ग्लोबल साउथ' एआई के भविष्य को आकार देने में सार्थक रूप से भाग ले सके। भारत ऐसे एआई भविष्य के लिए प्रतिबद्ध है जो सुरक्षित, भरोसेमंद और समावेशी हो।राज्य मंत्री ने स्पष्ट किया कि भारत का एआई विजन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मानव' सिद्धांतों पर आधारित है, जिसे इसी साल नई दिल्ली में आयोजित 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट' में प्रस्तुत किया गया था। उन्होंने 'एमएएनएवी' के पांचों स्तंभों- नैतिक व्यवस्था, जवाबदेह शासन, राष्ट्रीय संप्रभुता, सुलभ एवं समावेशी ढांचा और कानूनी रूप से मान्य एवं सत्यापित एआई को भी स्पष्ट किया।उन्होंने 'ग्लोबल साउथ' (विकासशील देशों) का पक्ष लेते हुए कहा कि आज मौजूद क्षमता अंतराल को पहले खत्म करना होगा, ताकि तकनीक के इस युग में कोई भी देश पीछे न छूटे। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर अभी सही वैश्विक नीतियां नहीं बनीं, तो एआई असमानताओं को और गहरा कर सकता है।जिनेवा स्थित यूएन में भारतीय के स्थायी मिशन ने एक्स पर लिखा इस दौरान माननीय राज्य मंत्री ने 'भारत से जिनेवा- बड़े पैमाने पर एआई के असर पर एक ग्लोबल सम्मेलन' नामक एक साइड-इवेंट में भी मुख्य भाषण दिया। इसका आयोजन भारतीय मिशन ने ग्लोबल इनोवेशन स्क्वायर के साथ मिलकर किया। राज्य मंत्री ने जिम्मेदार, समावेशी और मानव-केंद्रित एआई के भारत के विजन को दोहराया और इस बात पर जोर दिया कि इसके फायदे समाज के हर वर्ग तक पहुंचने चाहिए।

शोपियां में सुरक्षा बलों की बड़ी कामयाबी: लश्कर का टॉप कमांडर जाकिर गनी ढेर

पहलगाम आतंकी हमले से जुड़े आतंकी का चार दिन बाद मिला शव, हथियार और गोला-बारूद भी बरामद

जम्मू,एजेंसी।

जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले में सुरक्षा बलों ने आतंकवाद के खिलाफ अभियान में बड़ी सफलता हासिल करते हुए प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के शीर्ष कमांडर जाकिर गनी को मार गिराया है। अधिकारियों के अनुसार, शनिवार को शुरू किए गए आतंकवाद विरोधी अभियान के दौरान हुई मुठभेड़ के चार दिन बाद घटनास्थल से उसका शव बरामद किया गया। सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि जाकिर गनी पहलगाम आतंकी हमले से भी जुड़ा हुआ था और लंबे समय से सुरक्षा बलों की तलाश में था।वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि अभियान के दौरान पहले गोलीबारी की आवाजें सुनाई दी थीं, जिसके बाद सुरक्षा बलों ने जवाबी कार्रवाई की। इलाके में तलाशी अभियान जारी रखा गया और मंगलवार को तलाशी के दौरान एक शव बरामद हुआ। मौके से हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किए गए हैं। पहचान की प्रक्रिया पूरी होने के बाद पुष्टि हुई कि मारा गया आतंकी जाकिर

गनी था। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार शोपियां जिला लंबे समय से आतंकवादी गतिविधियों का संवेदनशील क्षेत्र माना जाता रहा है। यह इलाका लश्कर-ए-तैयबा और द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) जैसे संगठनों के लिए रणनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जाता है। दक्षिण कश्मीर को पीर पंजाल पर्वतमाला से जोड़ने वाला यह क्षेत्र घने सेब के बागानों और दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों के कारण आतंकियों के लिए छिपने और आवाजाही का सुरक्षित मार्ग बनता रहा है।पिछले कुछ वर्षों में शोपियां में आतंकियों ने अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों, बाहरी मजदूरों तथा सुरक्षा बलों को निशाना बनाकर कई हमले किए हैं। इन घटनाओं को देखते हुए भारतीय सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की विक्टर फोर्स सहित अन्य सुरक्षा एजेंसियां इस क्षेत्र में लगातार संयुक्त अभियान चला रही हैं।

वांगचुक 11 दिन से भूख हड़ताल पर, 7 किलो से अधिक वजन घटा

नई दिल्ली, । एजेंसी।

जंतर-मंतर पर जारी प्रदर्शन के दौरान 11 दिनों से अनशन पर बैठे शिक्षाविद एवं जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की सेहत लगातार बिगड़ रही है। बुधवार को जारी मेडिकल बुलेटिन के अनुसार उनका वजन सात किलोग्राम से अधिक घटकर 59.40 किलोग्राम रह गया है। वांगचुक की सेहत पर डॉक्टरों का कहना था, कि उनका रक्तचाप और ब्लड शुगर सामान्य सीमा में हैं तथा शरीर में पानी की कमी नहीं है, लेकिन लगातार उपवास के कारण स्वास्थ्य पर असर पड़ रहा है। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) परीक्षा अनियमितताओं और पेपर लीक के मामलों को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रही है। इस बीच दिल्ली हाईकोर्ट द्वारा संगठन के एक्स हैंडल पर लगी रोक हटाने के फैसले का भी आंदोलनकारियों ने स्वागत किया है।

अमरनाथ यात्रा: रिकॉर्ड तोड़ श्रद्धालु उमड़े, 6 जत्थे में 8 हजार से अधिक रवाना

जम्मू,एजेंसी।

पवित्र अमरनाथ यात्रा लगातार नए कीर्तिमान बना रही है। मंगलवार को यात्रा के छठे जत्थे में अब तक की सबसे बड़ी संख्या में 8,815 श्रद्धालु कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच कश्मीर के लिए रवाना हुए। इन श्रद्धालुओं को बालटाल और पहलगाम के आधार शिविरों तक पहुंचाने के लिए कुल 363 वाहनों का एक विशाल काफिला तैनात हुआ। जिला प्रशासन अधिकारियों ने बताया कि यात्रा के पहले चार दिनों में ही 86 हजार से अधिक श्रद्धालु पवित्र अमरनाथ गुफा में बाबा बर्फानी के दर्शन कर चुके हैं, जिससे इस वर्ष यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में अभूतपूर्व उत्साह देखने को मिल रहा है।

6 जत्थे में शामिल श्रद्धालुओं में 5,831 पुरुष, 2,193 महिलाएं, 30 बच्चे, 598 साधु, 131 साध्वियां, एक बाल साधु तथा 31 विदेशी पुरुष श्रद्धालु शामिल रहे, जो यात्रा की व्यापक पहुंच को दिखाता है। बालटाल मार्ग के लिए 3,989 श्रद्धालु सुबह 3.35 बजे 181 वाहनों में रवाना हुए, जबकि पारंपरिक पहलगाम मार्ग के लिए 4,826 श्रद्धालु सुबह 4.08 बजे 182 वाहनों के काफिले के साथ निकले। इस काफिले में 172 बसें, 58 मीडियम मोटर व्हीकल, 130 लाइट मोटर व्हीकल और तीन दोपहिया वाहन शामिल थे।

यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन ने बहु-स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था लागू की है। पूरे मार्ग पर सुरक्षा बलों की व्यापक तैनाती के साथ-साथ चिकित्सा सुविधाएं, यातायात प्रबंधन और अन्य आवश्यक सेवाओं की मुस्तैद व्यवस्था की गई है, ताकि किसी भी श्रद्धालु को असुविधा का सामना न करना पड़े।

गौरतलब है कि 57 दिनों तक चलने वाली श्री अमरनाथ जी यात्रा का शुभारंभ 3 जुलाई को हुआ था और इसका समापन 28 अगस्त को होगा। दक्षिण कश्मीर हिमालय में समुद्र तल से लगभग 3,888 मीटर की ऊंचाई पर स्थित पवित्र अमरनाथ गुफा में प्राकृतिक रूप से बनने वाले हिम शिवलिंग के दर्शन के लिए देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु हर वर्ष पहुंचते हैं। इस वर्ष भी श्रद्धालुओं की रिकॉर्ड संख्या इस यात्रा की लोकप्रियता और धार्मिक आस्था की गहराई का स्पष्ट प्रमाण है। श्रद्धालुओं में बढ़ता जोश व उत्साह इतना है कि रिकॉर्ड संख्या में लोग बिना पंजीकरण के भी पहुंच रहे हैं और मौके पर ही तत्काल पंजीकरण करा रहे हैं।

मायावती ने की एसआईटी जांच की मांग

बदरीनाथ चढ़ावा चोरी मामला: मंदिर समिति के पीए निलंबित

देहरादूनएजेंसी।

बदरीनाथ धाम में कथित चढ़ावा चोरी के मामले में बदरी-केदार मंदिर समिति (बीकेटीसी) ने पांच दिन बाद पहली बड़ी कार्रवाई करते हुए अपने अध्यक्ष के पर्सनल सेक्रेटरी प्रमोद नौटियाल को निलंबित कर दिया है। यह कार्रवाई प्रारंभिक जांच में चढ़ावा चोरी की पुष्टि होने के बाद की गई है, जिससे इस प्रकरण ने अब एक गंभीर सियासी रंग ले लिया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भी मामले पर सख्त रुख अपनाते हुए जांच समिति को 15 दिन के भीतर रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया है। कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बाद अब बसपा सुप्रीमो मायावती ने भी इस मामले में एसआईटी जांच की मांग करते हुए भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। निलंबित किए गए प्रमोद नौटियाल पर प्रथम दृष्टया गंभीर अनियमितताओं के आरोप लगे हैं। मंदिर समिति के अनुसार, नौटियाल वर्तमान में जिस पद पर हैं, उससे जांच प्रभावित होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता था, जिसके चलते उन्हें 3 जुलाई को कारण बताओ नोटिस जारी करने के बाद अब निलंबित कर दिया गया है। हालांकि, बीकेटीसी अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी का कहना है कि नौटियाल उनके पर्सनल सेक्रेटरी नहीं थे, बल्कि समिति के एक कर्मचारी थे।

बदरीनाथ के स्थानीय विधायक लखपत बुटोला (कांग्रेस) ने मौन धरना देकर सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के बाद बदरीनाथ के चढ़ावे में हेराफेरी दुर्भाग्यपूर्ण है। बुटोला ने मामले की हाईकोर्ट या सुप्रीम कोर्ट के सिटिंग जज की अगुवाई में जांच की मांग की है और कहा है कि जांच रिपोर्ट सार्वजनिक की जानी चाहिए ताकि लोगों का धर्म के प्रति विश्वास बना रहे। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा शासित राज्यों में लगातार चढ़ावा चोरी हो रहा है, संभवतः इसी राशि का उपयोग अन्य राज्यों में सरकारें तोड़ने और विधायक-सांसद खरीदने में किया जा रहा है। बुटोला ने भाजपा को हिंदू विरोधी बताते हुए सवाल उठाया कि जिसके राज में मंदिरों में चोरी हो रही है, वह हिन्दुओं की हितैषी कैसे हो सकती है। उन्होंने यह भी दावा किया कि यह अकेला व्यक्ति का काम नहीं हो सकता और सरकार या रसूखदारों की शह के बिना ऐसी चोरी संभव नहीं है, जिससे लीपापोती का प्रयास किया जा रहा है। बुटोला ने कपाट खुलने के दिन से अब तक की सीसीटीवी फुटेज जारी करने की मांग की, दावा किया कि इससे करोड़ों का घोटाला सामने आएगा, जिसमें वीआईपी दर्शन और चढ़ावे की राशि का हिसाब-किताब भी स्पष्ट होगा।बसपा सुप्रीमो मायावती ने एक्स पर अयोध्या व बदरीनाथ प्रकरण की निष्पक्ष जांच के लिए एसआईटी गठन की मांग की है ।

जयपुर में रिश्तों का कत्ल: बेटी ने मां की हत्या के लिए दी 7 लाख की सुपारी, अनुकंपा नौकरी और संपत्ति के लालच में रची साजिश

जयपुर,(खबर आस पास)। राजधानी जयपुर में रिश्तों को शर्मसार कर देने वाला सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां एक बेटी ने कथित तौर पर अनुकंपा नियुक्ति और करोड़ों की संपत्ति पाने के लालच में अपनी ही मां की हत्या की साजिश रच डाली। पुलिस ने मामले का खुलासा करते हुए मृतका की बेटी समेत सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के अनुसार, 3 जुलाई को प्रतापनगर थाना क्षेत्र में नीरज शर्मा की सड़क हादसे में मौत का मामला सामने आया था। शुरुआत में इसे दुर्घटना माना गया, लेकिन मृतका के भाई राकेश शर्मा ने हत्या की आशंका जताते हुए शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद पुलिस ने मामले की गहन जांच शुरू की।

100 से ज्यादा सीसीटीवी फुटेज से खुला राज

सांगानेर एसीपी हरिशंकर शर्मा ने बताया कि जांच के दौरान 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई। इसमें सामने आया कि एक लग्जरी कार करीब एक किलोमीटर तक नीरज शर्मा का पीछा कर रही थी। सुनसान स्थान पर पहुंचते ही कार चालक ने तेज रफ्तार से वाहन महिला की ओर मोड़ दिया और उसे कुचल दिया। इसके बाद आरोपी फरार हो गए ताकि घटना सड़क दुर्घटना लगे।

लावारिस कार से मिला अहम सुराग

घटना के कुछ दूरी पर संदिग्ध कार लावारिस हालत में मिली। कार की नंबर प्लेट पर मिट्टी लगी थी और उस पर दुर्घटना के निशान थे। तकनीकी साक्ष्यों, मोबाइल लोकेशन और मुखबिरों की सूचना के आधार पर पुलिस ने जयपुर, भरतपुर, आगरा और मथुरा में दबिश देकर सात आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

7 लाख की सुपारी देकर कराई हत्या

पूछताछ में सामने आया कि आरोपी आकाश शर्मा वारदात के समय कार चला रहा था। उसने बताया कि हेमंत शर्मा ने उसे सात लाख रुपये दिए थे। वारदात के लिए भरतपुर से किराए की कार लाई गई थी। कार में अरविंद शर्मा भी मौजूद था, जबकि रोहित जाटव बाइक से नीरज शर्मा की लोकेशन देता रहा।

नौकरी और संपत्ति के लालच में रची साजिश

पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि करीब एक वर्ष पहले नीरज शर्मा के पति की मृत्यु के बाद उन्हें अनुकंपा नियुक्ति मिली थी। उनकी बेटी आयुषी चाहती थी कि मां की मौत के बाद उसे यह नौकरी मिल जाए। साथ ही वह जयपुर स्थित पिता के दो मकानों पर भी अधिकार चाहती थी। वहीं मृतका के जेठ मोहन स्वरूप शर्मा और उनके बेटे की नजर हाईवे पर स्थित करीब पांच बीघा जमीन पर थी। इसी लालच में सभी ने मिलकर हत्या की साजिश रची।

कैफिनेटेड बेवरेज पर खाद्य सुरक्षा विभाग की बड़ी कार्रवाई : करनी औद्योगिक क्षेत्र स्थित प्रतिष्ठान से 35,936 कैन किए सीज, जांच के लिए लिया नमूना

बीकानेर श्रेयांस बैद, (खबर आस पास)। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण विभाग के निर्देशानुसार जिले में कैफिनेटेड बेवरेज के विरुद्ध विशेष अभियान लगातार जारी है। इसी क्रम में मंगलवार को खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम ने कानासर रोड स्थित करनी औद्योगिक क्षेत्र में मैसर्स श्री विनायक एंटरप्राइजेज पर निरीक्षण एवं नमूनीकरण की कार्रवाई की।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पुखराज साध ने बताया कि निरीक्षण के दौरान कैफिनेटेड बेवरेज 'कैंपा एनर्जी' का नमूना खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम (FSSAI Act) के तहत जांच के लिए लिया गया। साथ ही मौके पर उपलब्ध 35,936 कैन को एहतियातन सीज किया गया।

उन्होंने बताया कि भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (FSSAI) के दिशा-निर्देशों के अनुसार कैफिनेटेड बेवरेज के लेबल पर 'स्टिमुलेट्स माइंड ', 'एनर्जाइज़ बॉडी ', 'एनर्जी ड्रिंक ', 'स्पोर्ट्स ड्रिंक ' जैसे दावे करना भ्रामक प्रचार की श्रेणी में आता है। इसी संबंध में एफएसएसएआई द्वारा देश के प्रमुख बेवरेज ब्रांडों को नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण भी मांगा गया है।

डॉ. साध ने बताया कि अधिक कैफीन युक्त पेय पदार्थ गर्भवती महिलाओं, स्तनपान कराने वाली माताओं, बच्चों तथा कैफीन के प्रति संवेदनशील व्यक्तियों के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकते हैं। इस संबंध में आयुक्त, खाद्य सुरक्षा द्वारा सभी ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म को भी आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं।

उन्होंने बताया कि लिए गए नमूनों को परीक्षण के लिए जन स्वास्थ्य प्रयोगशाला, बीकानेर भेजा जाएगा। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार नियमानुसार अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

उक्त कार्रवाई खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्रवण कुमार वर्मा, भानु प्रताप सिंह, सुरेंद्र कुमार तथा श्री राकेश गोदारा द्वारा संयुक्त रूप से की गई।

एमजीएसयू में अधिष्ठाता एवं कुलानुशासक कार्यालय का शुभारंभ, विद्यार्थियों के लिए अभ्यागत केंद्र का लोकार्पण

कुलगुरु बोले— विद्यार्थियों को बेहतर सुविधाएं और त्वरित समाधान उपलब्ध कराना विश्वविद्यालय की प्राथमिकता

बीकानेर श्रेयांस बैद (खबर आस पास)। महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों एवं आगन्तुकों की सुविधाओं के विस्तार की दिशा में बुधवार को महत्वपूर्ण पहल करते हुए अधिष्ठाता छात्र कल्याण एवं कुलानुशासक कार्यालय का शुभारंभ तथा विश्वविद्यालय परिसर के मुख्य द्वार पर निर्मित अभ्यागत केंद्र का लोकार्पण कुलगुरु आचार्य मनोज दीक्षित द्वारा किया गया।

विश्वविद्यालय परिसर के मुख्य प्रवेश द्वार के समीप स्थापित अभ्यागत केंद्र में विद्यार्थियों एवं आगन्तुकों के लिए आवश्यक मूलभूत सुविधाएं विकसित की गई हैं। इस केंद्र के प्रारंभ होने से विश्वविद्यालय में आने वाले विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं अन्य आगन्तुकों को मुख्य द्वार पर ही पेयजल सहित आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी, जिससे उन्हें अधिक सुविधा मिलेगी।

मीडिया प्रभारी उमेश शर्मा ने बताया कि कुलगुरु सचिवालय में अधिष्ठाता छात्र कल्याण एवं कुलानुशासक कार्यालय का भी शुभारंभ किया गया। इस कार्यालय के माध्यम से विश्वविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों की विभिन्न समस्याओं के त्वरित समाधान, मार्गदर्शन तथा छात्र कल्याण से संबंधित गतिविधियों का संचालन अधिक व्यवस्थित ढंग से किया जा सकेगा।

इस अवसर पर कुलगुरु आचार्य मनोज दीक्षित ने कहा कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि छात्र हितों से जुड़े कार्यों के प्रभावी संचालन तथा आगन्तुकों की सुविधा के लिए यह पहल विश्वविद्यालय की कार्यसंस्कृति को और अधिक सुदृढ़ बनाएगी।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलसचिव यशपाल आहूजा, वित्त नियंत्रक देवेन्द्र सिंह राठौड़, अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. प्रभुदान चारण, सह अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. संतोष कंवर शेखावत, मुख्य कुलानुशासक डॉ. गौतम मेघवंशी, कुलानुशासक डॉ. अभिषेक वशिष्ठ, डॉ. लीला कौर, आचार्य अनिल कुमार छंगाणी, प्रो. राजाराम चोयल, डॉ. प्रगति सोबती, डॉ. फौजा सिंह, अमरेश कुमार सिंह तथा डॉ. मानकेशव सैनी सहित विश्वविद्यालय के अधिकारी एवं शिक्षक उपस्थित रहे।

अनूठी पहल एक प्रयास पर्यावरण को बचाने का- निशुल्क पौधा वितरण- शुभम कुणाल मित्तल

पर्यावरण प्रेमी कुणाल 6 वर्षों से बांट रहे हैं मानसून सीजन में निशुल्क पौधे

बीकानेर (खबर आस पास)। बीकानेर समता नगर निवासी कुणाल मित्तल द्वारा पिछले 6 वर्ष से लगातार मानसून सीजन में निशुल्क पौधे वितरण कर रहे हैं । 6 वर्षों में उन्होंने लगभग 100000 से अधिक पौधों का वितरण कर दिया है। कुणाल द्वारा इस वर्ष भी निशुल्क पौधा वितरण की परंपरा को चालू रखते हुए निशुल्क पौधा वितरण का कार्यक्रम आरंभ कर दिया गया है। कुणाल मित्तल ने बताया पौधों में छायादार फलदार फूल वाले पौधे आयुर्वेदिक गुणों से भरपूर पौधों का निशुल्क वितरण किया जाएगा। पौधों की लेने के लिए 8302148240 नंबर पर कॉल या व्हाट्सएप पर मैसेज कर शाम को 6:00 बजे से 9:00 तक हर रोज पौधे प्राप्त कर सकते हैं। पर्यावरण के क्षेत्र में सजग रहने वाले बीकानेर के निवासी निशुल्क पौधे प्राप्त कर सकते हैं। मित्तल ने बताया कि सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है, हम सबको धरती मां को हरा भरा रखने के लिए इस मुहिम का हिस्सा बनना चाहिए। ताकि आने वाली पीढ़ी आनंद से इस वातावरण में चैन की सांस ले सके। हमने ये छोटी सी पहल कोरोना महामारी को देखते हुई करि थी क्योंकि उस समय ऑक्सीजन की मारामारी चल रही थी जिस कारण हालात बहुत ही खतरनाक हो चुके थे। उन दिनों से हमने ठाना की पर्यावरण के लिए कुछ करते हैं आने वाली पीढ़ी को बचाते हैं। हमारे द्वारा एक छोटी सी की गई शुरुआत से हम ने गत 6 वर्षो में एक लाख अठतर हजार से अधिक पौधों का वितरण कर चुके है, मित्तल ने कहा कि इस सेवा का हिस्सा बन कर हर किसी को कम से कम दो पेड़ पौधे अपने आसपास लगाने चाहिए और उसकी सेवा जब तक करनी चाहिए तब तक वह पौधा बड़ा ना हो जाए। बीकानेर वासियों से आग्रह किया है कि इस मुहिम का हिस्सा बने और धरती को हरा भरा करें। कुनाल ने कहाँ कि इसमें सारा खर्चा हम अपनी जेब से करते है किसी प्रकार का कोई आर्थिक मदद स्वीकार नहीं है,

आईवीएफ बीकानेर के प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल से की शिष्टाचार भेंट

संगठन की आगामी कार्ययोजनाओं एवं विस्तार को लेकर हुई सार्थक चर्चा

नई दिल्ली (खबर आस पास)। अंतरराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन (आईवीएफ) बीकानेर के प्रतिनिधिमंडल ने जिला अध्यक्ष विनोद बाफना के नेतृत्व में भारत सरकार के केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल से कर्तव्य भवन स्थित उनके कार्यालय में शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान संगठन की आगामी कार्ययोजनाओं, विस्तार एवं सामाजिक गतिविधियों को लेकर विस्तृत चर्चा हुई।

प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने अंतरराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन द्वारा समाजहित में किए जा रहे कार्यों की सराहना की। जिला अध्यक्ष विनोद बाफना ने संगठन के स्वरूप, सदस्यता अभियान तथा विभिन्न सामाजिक एवं जनहितकारी योजनाओं की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। मंत्री ने बीकानेर इकाई द्वारा सदस्यता अभियान में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रथम स्थान प्राप्त करने पर पूरी टीम को बधाई देते हुए उनके प्रयासों की प्रशंसा की।

बैठक के दौरान केंद्रीय मंत्री ने कर्तव्य भवन की विशेषताओं एवं कार्यप्रणाली की भी जानकारी साझा की। प्रतिनिधिमंडल ने संगठन के भावी कार्यक्रमों एवं समाजहित के विभिन्न विषयों पर अपने विचार रखे। अंत में सभी सदस्यों ने केंद्रीय मंत्री के साथ सामूहिक छायाचित्र भी खिंचवाया।

इस अवसर पर राज्य महिला इकाई अध्यक्ष चारू गुप्ता, संयुक्त महामंत्री जेठमल नाहटा, युवा विंग के यशु चाँडक, राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य विजय बाफना, टोंक की पूर्व जिला प्रमुख सरोज बंसल सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

उल्लेखनीय है कि हाल ही में आयोजित अंतरराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन के स्थापना दिवस एवं सम्मान समारोह के दौरान केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने बीकानेर के प्रतिनिधिमंडल को अपने कार्यालय में आमंत्रित किया था, जिसके क्रम में यह शिष्टाचार भेंट संपन्न हुई।

श्रीडूंगरगढ़ में ग्रामीण सेवा शिविरों का आयोजन, ग्रामीणों को मिली सरकारी योजनाओं का लाभ

श्रीडूंगरगढ़, (खबर आस पास)। राज्य सरकार के ग्रामीण सेवा शिविर-2026 के तहत बुधवार को श्रीडूंगरगढ़ उपखंड क्षेत्र की ग्राम पंचायत दुलचासर एवं देराजसर में ग्रामीण सेवा शिविर आयोजित किए गए। उपखंड अधिकारी एवं शिविर प्रभारी शुभम शर्मा ने दोनों शिविरों का निरीक्षण कर विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं एवं सेवाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की।

शिविरों में विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं की पात्रता, आवश्यक दस्तावेजों एवं आवेदन प्रक्रिया की जानकारी दी। पंचायत राज विभाग ने मौके पर पट्टे जारी किए, जबकि राजस्व विभाग ने सहमति से खातों का विभाजन तथा राजस्व अभिलेखों में नाम शुद्धिकरण से जुड़े प्रकरणों का निस्तारण किया। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग ने पेंशनधारकों का सत्यापन कर बंद पड़ी पेंशन को पुनः प्रारंभ कराया। महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से गोद भराई रस्म आयोजित की गई। कृषि विभाग ने किसानों को राज किसान साथी पोर्टल की जानकारी दी तथा वन विभाग ने पौधों का वितरण किया। चिकित्सा विभाग ने रक्तचाप, शुगर एवं टीबी स्क्रीनिंग की जांच की। पशुपालन विभाग ने मंगला पशु बीमा योजना के तहत पंजीकरण किए, जबकि पेयजल एवं विद्युत विभाग ने जलापूर्ति एवं विद्युत आपूर्ति से संबंधित शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया।

उपखंड अधिकारी शुभम शर्मा ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिविरों में प्राप्त प्रकरणों का यथासंभव मौके पर ही त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, ताकि आमजन को सरकारी योजनाओं और सेवाओं का अधिकतम लाभ मिल सके।

राजस्थान के समस्त विद्यालयों में चलेगा विधिक साक्षरता अभियान, विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा एवं नशा मुक्ति का मिलेगा संदेश

बीकानेर (खबर आस पास)। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय महाजन में राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की अनुपालना में प्रदेशभर के सरकारी एवं निजी विद्यालयों में व्यापक विधिक जागरूकता अभियान संचालित किया जाएगा। यह अभियान राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यकारी अध्यक्ष एवं कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश के मार्गदर्शन में प्रारंभ किया गया है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अधिकार पैनल एवं सदस्य श्रेयांस बैद ने बताया कि अभियान का प्रमुख उद्देश्य विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा, विधिक अधिकारों तथा नशे के दुष्परिणामों के संबंध में जागरूक एवं संवेदनशील बनाना है। अभियान के दौरान विद्यार्थियों को 'ड्रग्स को ना कहें, अपने सपनों को हाँ कहें। ड्रग्स लेना कूल नहीं है, अपने मन, शरीर और भविष्य की रक्षा करें।' विषय पर विशेष रूप से जागरूक किया गया । उन्होंने बताया कि राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार प्रत्येक तालुका एवं ब्लॉक क्षेत्र के सरकारी एवं निजी विद्यालयों में शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में विधिक जागरूकता शिविर आयोजित किए जाएंगे शिविरों के माध्यम से विद्यार्थियों को साइबर अपराधों से बचाव, नशीले पदार्थों के दुष्प्रभाव, विधिक सहायता की उपलब्धता तथा जिम्मेदार एवं जागरूक नागरिक बनने के लिए आवश्यक कानूनी जानकारी प्रदान की जाएगी। बैद ने कहा कि यह अभियान विद्यार्थियों में विधिक चेतना, सामाजिक उत्तरदायित्व एवं सकारात्मक जीवन मूल्यों का विकास करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सिद्ध होगा तथा उन्हें सुरक्षित, नशामुक्त एवं जागरूक भविष्य की ओर प्रेरित करेगा।इस दौरान शिक्षक एवं थाने से बलबीर सिंह मौजूद रहे।

नव-निर्मित भवनों में ऋषि-मुनियों एवं संत विभूतियों के चित्र एवं जीवनियां स्थापित

(खबर आस पास)

बीकानेर श्रेयांस बैद। महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय परिसर में नव-निर्मित भवनों का नामकरण भारतीय ऋषि-मुनियों एवं संत विभूतियों के नाम पर किए जाने के क्रम में बुधवार को संबंधित भवनों में उनके चित्रों एवं जीवनियों की स्थापना का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक संस्थाओं के न्यासीगण ने उपस्थित होकर संबंधित महापुरुषों के जीवन-दर्शन, आध्यात्मिक चिंतन एवं समाज के प्रति उनके योगदान पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलगुरु आचार्य मनोज दीक्षित के मुख्य आतिथ्य में हुआ।

उल्लेखनीय है कि विश्वविद्यालय परिसर में नव-निर्मित भवनों का लोकार्पण 7 जून, 2026 को माननीय राज्यपाल, राजस्थान, केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल तथा उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा द्वारा किया गया था। इन भवनों का नामकरण भारतीय ऋषि-मुनियों एवं संत विभूतियों के नाम पर किया गया है।विश्वविद्यालय द्वारा नव-निर्मित भवनों का नामकरण भारतीय संस्कृति, अध्यात्म एवं ज्ञान परंपरा के महान विभूतियों के सम्मान में किया गया है। इसके अंतर्गत सेंट्रल फैसिलिटी फॉर रिसर्च का नाम आचार्य तुलसी भवन, एग्जामिनेशन सेंटर का नाम गुरु जाम्भेश्वर भवन, सेंट्रल क्लासरूम (विज्ञान) का नाम मां करणी भवन, सेंट्रल क्लासरूम (कला) का नाम संत रामसुखदास भवन, एनआईईएलआईटी भवन का नाम संवित सदन, एकेडमिक-5 का नाम कपिल मुनि भवन, एकेडमिक-6 का नाम प्रचेता भवन तथा ध्वज वृत्त (फ्लैग सर्किल) के दाहिनी ओर स्थित उद्यान का नाम अमृता देवी उद्यान रखा गया है। इन भवनों में संबंधित महापुरुषों के चित्र एवं जीवनियां स्थापित कर विद्यार्थियों और आगंतुकों को उनके जीवन-दर्शन से परिचित कराने की पहल की गई है

कार्यक्रम में आचार्य तुलसी, मां करणी, कपिल मुनि, संत रामसुखदास जी महाराज एवं संत सोमगिरी जी महाराज के चित्रों एवं जीवन परिचय का अनावरण किया गया। इस अवसर पर विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक संस्थाओं से पधारे न्यासीगण एवं प्रतिनिधियों ने इन महापुरुषों के जीवन-दर्शन, आध्यात्मिक योगदान तथा समाज के प्रति उनके अविस्मरणीय कार्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला।

कपिल मुनि ट्रस्ट की ओर से बनवारीलाल सेवग, श्री करणी माता मंदिर न्यास की ओर से शंकरदान, आचार्य तुलसी के संबंध में सुरपत बोथरा तथा संत रामसुखदास जी महाराज की ओर से श्री श्यामसुन्दर महाराज ने अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में इन महान विभूतियों के जीवन, दर्शन एवं उनके द्वारा स्थापित मानवीय मूल्यों पर विस्तार से विचार व्यक्त किए। वक्ताओं ने कहा कि इन संतों और ऋषियों का जीवन समाज को सत्य, सेवा, सदाचार, आध्यात्मिक चेतना एवं राष्ट्रहित के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है।

अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलगुरु आचार्य मनोज दीक्षित ने कहा कि विश्वविद्यालय केवल ज्ञान अर्जन का केंद्र नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, नैतिक मूल्यों एवं आध्यात्मिक परंपराओं के संरक्षण का भी महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने कहा कि भवनों का नामकरण भारतीय ऋषि-मुनियों एवं संतों के नाम पर करना तथा उनके जीवन-दर्शन को विद्यार्थियों के समक्ष प्रस्तुत करना विश्वविद्यालय की सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक दृष्टि का प्रतीक है। उन्होंने विद्यार्थियों से इन महापुरुषों के आदर्शों को आत्मसात कर समाज एवं राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय कुलसचिव यशपाल आहूजा, वित्त नियंत्रक देवेन्द्र सिंह राठौड, अधिष्ठाता-छात्र कल्याण डॉ. प्रभुदान चारण, सह अधिष्ठाता-छात्र कल्याण डॉ. संतोष कंवर शेखावत, मुख्य कुलानुशासक डॉ. गौतम मेघवंशी, कुलानुशासक डॉ. अभिषेक वशिष्ठ, उमेश शर्मा] डॉ. लीला कौर, विश्वविद्यालय आचार्य अनिल कुमार छंगाणी, प्रो. राजाराम चोयल, डॉ. प्रगति सोबती, डॉ. फौजा सिंह, अमरेश कुमार सिंह, डॉ. मानकेशव सैनी उपस्थित हुए। अंत में कुलसचिव यशपाल आहूजा ने सभी अतिथियों, विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक संस्थाओं से पधारे न्यासीगण तथा उपस्थित जनों का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।